CURRENT AFFAIRS

Result Mitra

NEWS FOR

UPSC

UPSC, IAS/PCS

State Exam

All Exam

27 Feb. 2025

ABHAY Sir

Topic 1:— हंसा मेहता

टॉपिक **2 :—** धर्म गार्जियन सैन्य अभ्यास **(Dharma Guardian Military Exercise)** भारत और जापान के बीच एक संयुक्त सैन्य अभ्यास है।

Topic 3:— सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय **(MoRTH)** की वार्षिक रिपोर्ट **2024-25**

टॉपिक **4 :—** पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद और भारत की आर्थिक संवृद्धि में योगदान

टॉपिक **5:—** ब्लैक प्लास्टिक और उसके स्वास्थ्य प्रभाव

चर्चा में क्यों :— हाल ही में प्रधानमंत्री ने मनकी बात में इनका जिक्र किया

- स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक और संविधान सभा की सदस्य।
- **15** अगस्त **1947** की आधी रात को संविधान सभा में राष्ट्रीय ध्वज फहराया।
- महिलाओं के अधिकारों के लिए संघर्ष किया और बलिदान दिए।
- पीएम मोदी ने उनके ऐतिहासिक भाषण का ऑडियो क्लिप साझा किया।

हंसा मेहता कौन थीं?

- **3** जुलाई **1897** को सूरत, गुजरात में जन्मीं, वे विद्वान, स्वतंत्रता सेनानी, शिक्षिका और समाज सुधारक थीं।
- बड़ौदा कॉलेज से दर्शनशास्त्र और इंग्लैंड में पत्रकारिता व समाजशास्त्र की पढ़ाई की।
- **1920** में लंदन में सरोजिनी नायडू से मिलीं और गांधीजी से प्रेरित होकर स्वतंत्रता आंदोलन में शामिल हुईं।
- भारतीय संविधान के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई और महिलाओं के अधिकारों के लिए कार्य किया।

हंसा मेहता:

हंसा मेहता एक प्रमुख स्वतंत्रता सेनानी, समाज सुधारक, शिक्षाविद् और भारतीय संविधान सभा की सदस्य थीं।

1. प्रारंभिक जीवन और शिक्षा

- जन्म: 3 जुलाई 1897, सूरत, गुजरात
- शिक्षा: बड़ौदा कॉलेज से दर्शनशास्त्र और इंग्लैंड में पत्रकारिता व समाजशास्त्र की पढ़ाई
- लंदन में सरोजिनी नायडू से मुलाकात, जो गांधीजी से जुड़ने की प्रेरणा बनी

2. स्वतंत्रता संग्राम में भूमिका

- महात्मा गांधी से प्रभावित होकर स्वतंत्रता आंदोलन में सक्रिय रहीं
- महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाने के लिए काम किया
- भारत छोड़ो आंदोलन (1942) में भाग लिया
- संयुक्त राष्ट्र में **"All men are born free and equal"** को **"All human beings are born free and equal"** में बदलवाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई

4. शिक्षा और समाज सुधार

- मुंबई विश्वविद्यालय की पहली महिला वाइस चांसलर बनीं
- महिला शिक्षा को बढ़ावा देने के लिए कई संस्थानों की स्थापना की
- बाल विवाह और दहेज प्रथा के खिलाफ कानूनों की पैरवी की

5. 15 अगस्त 1947 और ऐतिहासिक भाषण

- **15** अगस्त **1947** की आधी रात को संविधान सभा में राष्ट्रीय ध्वज फहराया
- तिरंगे के केसरिया रंग को महिलाओं के संघर्ष और बलिदान का प्रतीक बताया

संविधान सभा में भूमिका

- संविधान सभा में उनका प्रमुख योगदान महिलाओं के अधिकारों की वकालत करना था.
- हंसा मेहता ने राजकुमारी अमृत कौर के साथ मिलकर 'भारतीय महिला अधिकार और कर्तव्य चार्टर' तैयार किया।
- जिसमें समान नागरिक संहिता **(UCC)**, महिलाओं की शिक्षा, समान वेतन और विवाह कानूनों में सुधार की मांग की गई थी

6. विरासत और सम्मान

- महिला अधिकारों और शिक्षा में उनके योगदान को हमेशा याद किया जाता है
- पीएम मोदी ने 'मन की बात' कार्यक्रम में उनके योगदान का जिक्र किया और उनकी ऐतिहासिक ऑडियो क्लिप साझा की

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. हंसा मेहता भारतीय संविधान सभा की सदस्य थीं और उन्होंने महिलाओं के अधिकारों के लिए महत्वपूर्ण योगदान दिया।

2. उन्होंने संयुक्त राष्ट्र द्वारा अपनाई गई "सभी मनुष्यों को समान अधिकार प्राप्त हैं" **(All human beings are equal in rights)** वाक्य की रूपरेखा बदलने में अहम भूमिका निभाई।

3. वे स्वतंत्र भारत की पहली महिला राज्यपाल बनी थीं।

उपरोक्त में से कौन–सा/से कथन सही है/हैं?

(A) केवल **1** और **2** **(B)** केवल **2** और **3**

(C) केवल **1** और **3** **(D) 1, 2** और **3**

स्पष्टीकरण:

- हंसा मेहता भारतीय संविधान सभा की सदस्य थीं और उन्होंने महिलाओं के अधिकारों के लिए कार्य किया।
- संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार घोषणा **(UDHR)** के अनुच्छेद **1** में **"All men are born free and equal"** को बदलकर **"All human beings are born free and equal"** करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका थी।
- लेकिन, वे स्वतंत्र भारत की पहली महिला राज्यपाल नहीं थीं। यह सम्मान सरोजिनी नायडू को प्राप्त है, जो उत्तर प्रदेश की पहली महिला राज्यपाल बनीं।

DHARMA GUARDIAN
2023-24 INDIA-JAPAN JOINT EXERCISE 5TH EDITION
DG
DHARMA
GUARDIAN
2023-24

यह दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग को बढ़ाने और सैन्य क्षमताओं में तालमेल स्थापित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जाता है।

मुख्य बिंदु –

1. शुरुआत: इस अभ्यास की शुरुआत **2018** में हुई थी।
2. संबंधित देश: भारत और जापान।
3. प्रकार: यह एक संयुक्त सैन्य अभ्यास **(Joint Military Exercise)** है।
4. उद्देश्य:
   - आतंकवाद विरोधी **(Counter-Terrorism)** और गुरिल्ला युद्ध रणनीतियों **(Guerrilla Warfare Tactics)** पर ध्यान केंद्रित करना।
   - रक्षा सहयोग को मजबूत करना।
   - संयुक्त राष्ट्र चार्टर के तहत शांति अभियानों की तैयारी करना।
5. स्थान:

यह भारत और जापान में बारी-बारी से आयोजित किया जाता है।
हाल ही में यह जापान में आयोजित किया गया था।

भारतीय तथा विश्व के अन्य देशों की सेनाओं द्वारा किए जाने वाले सैन्य अभ्यासों को तीन श्रेणियों में विभाजित किया जा सकता है:

- घरेलू व्यायाम
- द्विपक्षीय व्यायाम
- बहुपक्षीय अभ्यास

घरेलू व्यायाम :—

- इस प्रकार के सैन्य अभ्यास किसी एक देश की सेना अपनी क्षमताओं में वृद्धि करने के लिए अपने स्तर पर अपने देश की सीमाओं के अंदर करती है
- इस प्रकार के सैन्य अभ्यास में आने वाले किसी भी चुनौती से निपटने के लिए पूर्व तैयारी की जाती है

घरेलू सैन्य अभ्यासों की सूची:

- वायु शक्ति (वायु सेना)
- गांडीव विजय (सेना)
- पश्चिम लहर (नौसेना)
- आईरन फिस्ट
- विजय प्रहार (सेना)

द्विपक्षीय अभ्यास – द्विपक्षीय युद्ध अभ्यास दो मित्र राष्ट्रों के मध्य आयोजित किए जाते हैं

इस प्रकार के युद्ध अभ्यासन का मुख्य उद्देश्य एक दूसरे की युद्ध क्षमताओं से परिचित होना तथा एक दूसरे की युद्ध संबंधी सामग्री की टेक्नोलॉजी को समझाना होता है

- मित्र शक्ति भारत और श्रीलंका
- स्लाइनेक्स भारत और श्रीलंका
- सम्प्रीति भारत और बांग्लादेश
- मैत्री व्यायाम भारत और थाईलैंड
- स्याम भारत भारत और थाईलैंड
- कोप इंडिया भारत और अमेरिका
- वज्र प्रहार भारत और अमेरिका
- युद्ध अभ्यास भारत और अमेरिका
- खानाबदोश हाथी भारत और मंगोलिया
- गरुड़ शक्ति भारत और इंडोनेशिया

- इंड–इंडो कॉर्पोरेट भारत और इंडोनेशिया
- शक्ति व्यायाम भारत और फ्रांस
- समुद्र शक्ति भारत और इंडोनेशिया
- सूर्य किरण भारत और नेपाल
- वरुण व्यायाम भारत और फ्रांस
- गरुड़ व्यायाम भारत और फ्रांस
- धर्म संरक्षक भारत और जापान
- जिमेक्स भारत और जापान
- सिम्बेक्स भारत और सिंगापुर
- हाथ में हाथ डालकर व्यायाम करें भारत और चीन
- ऑसइंडेक्स भारत और ऑस्ट्रेलिया
- इंडो–थाई कॉर्पेट भारत और थाईलैंड
- प्रबल दोस्तिक भारत और कजाकिस्तान
- ऑस्ट्रा हिंद भारत और ऑस्ट्रेलिया
- **IN**–बीएन कॉर्पेट भारत और बांग्लादेश
- टेबिल टॉप भारत और बांग्लादेश

- खंजर भारत और किर्गिज़स्तान
- एकुवेरिन भारत और मालदीव
- आईएमबीईएक्स भारत और म्यांमार
- आईएमसीओआर भारत और म्यांमार
- नसीम अल बहर भारत और ओमान
- अल नागाह भारत और ओमान
- पूर्वी पुल भारत और ओमान
- व्यायाम इंद्र भारत और रूस
- व्यायाम इंद्र भारत और रूस
- कोंकण भारत और ब्रिटेन
- अजय योद्धा भारत और ब्रिटेन
- इंद्रधनुष भारत और ब्रिटेन
- पूर्वी पुल भारत और ओमान
- लामितिये भारत और सेशेल्स
- विनबैक्स भारत और वियतनाम

बहुपक्षीय युद्ध अभ्यास :— इस प्रकार के युद्ध अभ्यास में दो से अधिक देश शामिल होते हैं अधिकतम देश की संख्या कितनी भी हो सकती है
मालाबार।

4 देश (**quad country– Australia, India, Japan and the United States**)
रिमपैक **26** देश
कोबरा–गोल्ड एशिया–प्रशांत देश
संवेदना दक्षिण एशियाई क्षेत्र के राष्ट्र

6. महत्व:

- इंडो–पैसिफिक क्षेत्र में शांति और स्थिरता बनाए रखना।
- दोनों देशों के सशस्त्र बलों के बीच समन्वय और आपसी समझ बढ़ाना।
- उभरते सुरक्षा खतरों से निपटने के लिए रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करना।

प्रश्न: निम्नलिखित सैन्य अभ्यासों पर विचार करें और सही युग्म चुनें:

सैन्य अभ्यास	साझेदार देश
1. कोंकण	भारत–फ्रांस
2. शक्ति	भारत–जापान
3. मित्र शक्ति	भारत–श्रीलंका
4. हैंड–इन–हैंड	भारत–चीन

कौन–सा युग्म सही ढंग से मेल खाता है?

(A) केवल **1** और **2** **(B)** केवल **3** और **4**

(C) केवल **2, 3** और **4** **(D)** केवल **3** और **4**

स्पष्टीकरण:

- कोंकण – भारत और ब्रिटेन के बीच होता है, न कि फ्रांस के।
- शक्ति – भारत और फ्रांस के बीच होता है, न कि जापान के।
- मित्र शक्ति – भारत और श्रीलंका के बीच सही है।
- हैंड–इन–हैंड – भारत और चीन के बीच सही है।

नोट: मालाबार **(Malabar)** भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया का बहुपक्षीय नौसैनिक अभ्यास है।

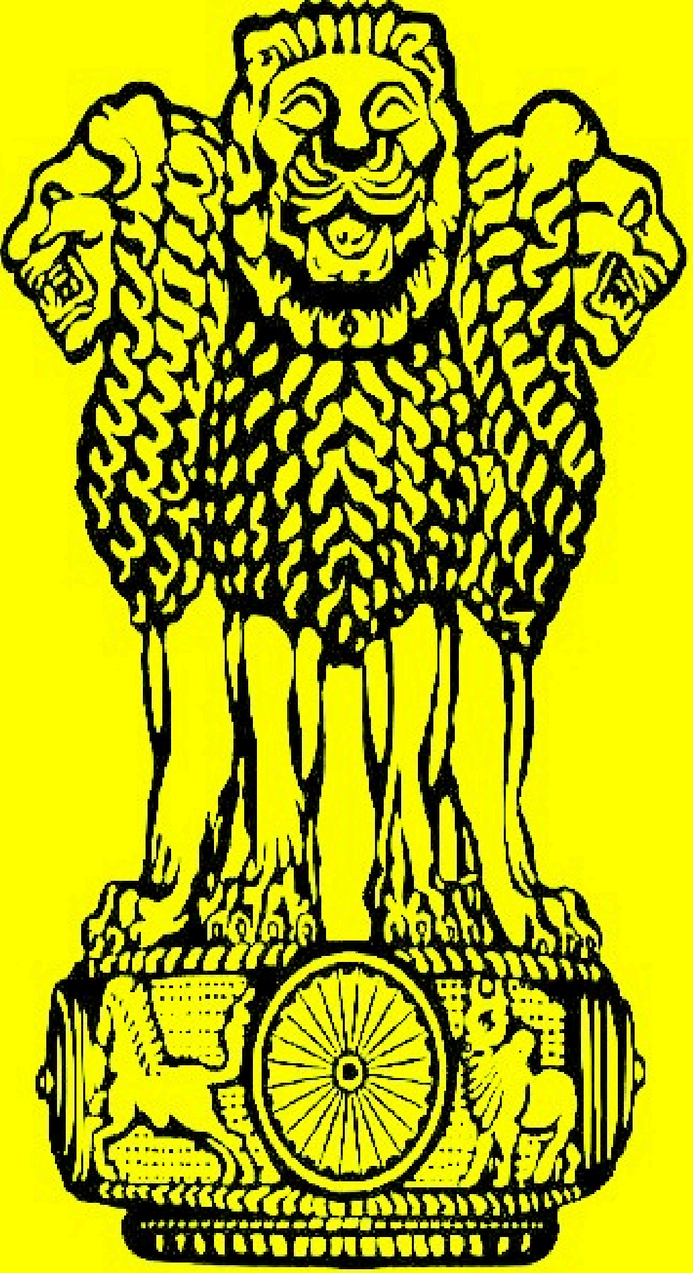

सत्यमेव जयते

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय

MINISTRY OF ROAD TRANSPORT AND HIGHWAYS

1. सड़क नेटवर्क**:** भारत में विश्व का दूसरा सबसे बड़ा सड़क नेटवर्क है, जिसकी कुल लंबाई **63.45** लाख किमी है।

2. राष्ट्रीय राजमार्ग **(NH)** विस्तार**: 2014** में **91,287** किमी से बढ़कर **1.46** लाख किमी हो गया **(60%** वृद्धि)।

3. निर्माण गति**: 2014–15** में **12.1** किमी/दिन की तुलना में **2023–24** में यह **33.8** किमी/दिन हो गई **(2.8** गुना वृद्धि)।

4. पूंजीगत व्यय**: 2013–14** की तुलना में **5.7** गुना वृद्धि, **2023–24** में **3.01** लाख करोड़ रुपये तक पहुंचा।

5. InvIT (इंफ्रास्ट्रक्चर इन्वेस्टमेंट ट्रस्ट)**: 25,900** करोड़ रुपये जुटाए गए।

6. राज्य सड़क परिवहन उपक्रम **(SRTUs): 58 SRTUs** का **30,000** करोड़ रुपये का समेकित निवल घाटा।
तीन वर्षों में घाटे में **68%** वृद्धि।

सड़क निर्माण में नवीन प्रौद्योगिकियां — **2024–25**

1. बायो–बाइंडर्स**:**

कृषि अपशिष्ट से प्राप्त बायो–बाइंडर्स का उपयोग पेट्रोलियम–आधारित बाइंडर्स के विकल्प के रूप में किया जा सकता है।

बिटुमिन आधारित सड़क निर्माण में उपयोगी।

2. अल्ट्रा–हाई परफॉरमेंस फाइबर रिइंफोर्समेंट कंक्रीट **(UHPFRC):**

पुल निर्माण में मजबूती और भार वहन क्षमता बढ़ाने के लिए प्रयोग।

3. ग्राफीन संशोधित डामर **(GIPAVE):**

डामर निर्मित फुटपाथों की गुणवत्ता और दीर्घकालिकता बढ़ाने में सहायक।

4. गैप–ग्रेडेड रबराइज्ड बिटुमेन **(GGRB):**

- बिटुमेन मिश्रण में रबड़ के कण शामिल करने से सड़क की मजबूती बढ़ती है।

5. अन्य नवीन सामग्रियां**:**

- जियो–सिंथेटिक मटेरियल — कॉयर/ जूट
- औद्योगिक उपोत्पाद — स्टील, आयरन, कॉपर, जिंक स्लैग
- पर्यावरण–अनुकूल सामग्री — बायो–बिटुमेन, बायो–सीमेंट
- रीसाइक्लिंग आधारित — रीसायकल ग्लास एग्रीगेट, ग्राफीन एनहांस्ड कंक्रीट, सिलिका–फ्यूम

पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद की 26 वीं बैठक
26TH MEETING OF WESTERN ZONAL COUNCIL
G20

पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद:

- भारत में पांच क्षेत्रीय परिषदों में से एक।
- राज्य पुनर्गठन अधिनियम, **1956** के तहत स्थापित।
- शामिल राज्य एवं केंद्र शासित प्रदेश: गोवा, गुजरात, महाराष्ट्र, दमन–दीव और दादरा एवं नगर हवेली।

भारत की आर्थिक संवृद्धि में पश्चिमी क्षेत्र का योगदान:

1. GDP योगदान:

- भारत के सकल घरेलू उत्पाद **(GDP)** में **25%** योगदान।
- केवल दक्षिणी क्षेत्र **(30%)** से पीछे।

2. अन्य क्षेत्रीय योगदान:

उत्तरी क्षेत्र: **18.5%**
मध्य क्षेत्र: **13.6%**
पूर्वी क्षेत्र: **12.5%**

- ये अंतर क्षेत्रीय असमानता को दर्शाते हैं।

3. वैश्विक व्यापार में भूमिका:

- भारत के आधे से अधिक वैश्विक व्यापार में पश्चिमी क्षेत्र की भागीदारी।
- उत्तरी और मध्य क्षेत्रों के लिए वैश्विक व्यापार प्रवेश द्वार के रूप में कार्य करता है।

क्षेत्रीय असमानता के कारण:

1. ऐतिहासिक कारण:

- ब्रिटिश नीतियों ने मुंबई, चेन्नई और कोलकाता जैसे संसाधन–संपन्न क्षेत्रों को प्राथमिकता दी।

2. भौगोलिक कारण:

- बंदरगाह, कच्चे माल की उपलब्धता से कुछ क्षेत्रों को लाभ।
- हिमालयी और पूर्वोत्तर राज्य दुर्गम होने से विकास में बाधा।

3. आर्थिक कारण:

- कुछ क्षेत्रों में परिवहन, बिजली और प्रौद्योगिकी का अभाव।
- कई क्षेत्र केवल प्राथमिक आर्थिक गतिविधियों पर निर्भर।

भारत की पाँच क्षेत्रीय परिषदें और उनके शामिल राज्य

1. उत्तर क्षेत्रीय परिषद **(Northern Zonal Council)**

राज्य: चंडीगढ़, दिल्ली, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश, जम्मू और कश्मीर, पंजाब, राजस्थान, लद्दाख, उत्तराखंड

2. पूर्वी क्षेत्रीय परिषद **(Eastern Zonal Council)**

राज्य: बिहार, झारखंड, ओडिशा, पश्चिम बंगाल

3. पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद **(Western Zonal Council)**

राज्य: दादरा और नगर हवेली और दमन और दीव, गोवा, गुजरात, महाराष्ट्र

4. मध्य क्षेत्रीय परिषद **(Central Zonal Council)**

राज्य: छत्तीसगढ़, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड

5. दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद **(Southern Zonal Council)**

राज्य: आंध्र प्रदेश, कर्नाटक, केरल, तमिलनाडु, तेलंगाना, अंडमान और निकोबार द्वीप समूह, लक्षद्वीप

उत्तर–पूर्वी परिषद (**North Eastern Council**)

उत्तर–पूर्वी राज्यों के लिए अलग से उत्तर–पूर्वी परिषद **(NEC)** की स्थापना **1971** में की गई थी।
राज्य**:** अरुणाचल प्रदेश, असम, मणिपुर, मेघालय, मिजोरम, नागालैंड, सिक्किम, त्रिपुरा

4. प्रशासनिक कारण:

- दक्ष प्रशासन और नीतिगत निरंतरता वाले राज्य निवेश आकर्षित करते हैं।
- औद्योगिक विकास में राज्यों की नीतियों की अहम भूमिका।
- क्षेत्रीय असमानताओं को खत्म करने की रणनीतियां

1. आकांक्षी जिला कार्यक्रम (ADP):

- देश के **112** सबसे कम विकसित जिलों के तेज विकास पर केंद्रित।
- शिक्षा, स्वास्थ्य, पोषण, कृषि, जल संसाधन, वित्तीय समावेशन और कौशल विकास पर विशेष ध्यान।

2. आकांक्षी ब्लॉक कार्यक्रम (ABP):

- **ADP** की तर्ज पर शुरू किया गया, जिसका लक्ष्य विकासशील ब्लॉकों में सुधार करना है।

3. अवसंरचना विकास योजनाएं:

- पी.एम. गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान — बुनियादी ढांचे को एकीकृत रूप से विकसित करना।

- भारतमाला परियोजना — राष्ट्रीय राजमार्गों और सड़क नेटवर्क का विस्तार।
- सागरमाला परियोजना — बंदरगाह आधारित विकास को बढ़ावा देना।

4. सहकारी और प्रतिस्पर्धी संघवाद:

- नीति आयोग राज्यों को सहयोग और प्रतिस्पर्धा के माध्यम से आर्थिक विकास में मदद करता है।
- राज्यों को सुधारों को प्रोत्साहित करने के लिए विशेष ऋण और विकास निधि प्रदान की जाती है।

प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. क्षेत्रीय परिषदों की स्थापना राज्य पुनर्गठन अधिनियम, **1956** के तहत की गई थी।
2. भारत में कुल पाँच क्षेत्रीय परिषदें हैं।
3. इन परिषदों की अध्यक्षता प्रधानमंत्री करते हैं।

उपरोक्त में से कौन–सा/से कथन सही है/हैं?

(A) केवल **1** और **2** **(B)** केवल **2** और **3**
(C) केवल **1** और **3** **(D) 1, 2** और **3**

स्पष्टीकरण:

1. सही: क्षेत्रीय परिषदों की स्थापना राज्य पुनर्गठन अधिनियम, **1956** के तहत की गई थी।

2. सही**:** भारत में पाँच क्षेत्रीय परिषदें हैं **–**

- उत्तरी क्षेत्रीय परिषद
- मध्य क्षेत्रीय परिषद
- पूर्वी क्षेत्रीय परिषद
- पश्चिमी क्षेत्रीय परिषद
- दक्षिणी क्षेत्रीय परिषद

3. गलत**:** इन परिषदों की अध्यक्षता प्रधानमंत्री नहीं, बल्कि केंद्रीय गृह मंत्री करते हैं।

ब्लैक प्लास्टिक और उसके स्वास्थ्य प्रभाव

1. हानिकारक रसायन:

- ब्लैक प्लास्टिक उत्पादों में डिकाब्रोमोडाइफेनील ईथर **(BDE-209)** पाया जाता है।
- यह एक अग्निरोधी रसायन है, जो मानव स्वास्थ्य के लिए हानिकारक हो सकता है।

2. ब्लैक प्लास्टिक का स्रोत:

- इसे अक्सर रिसायकल किए गए इलेक्ट्रॉनिक कचरे से बनाया जाता है।
- कंप्यूटर, टीवी और अन्य उपकरणों से प्राप्त सामग्री का उपयोग।

3. हानिकारक तत्व:

- इसमें अग्निरोधी ब्रोमीन, एंटिमनी और भारी धातुएं (सीसा, कैडमियम, पारा) हो सकते हैं।
- अत्यधिक मात्रा में ये तत्व मानव शरीर के लिए विषाक्त होते हैं।

4. प्रतिबंध:

- कई देशों में ब्लैक प्लास्टिक के उपयोग पर प्रतिबंध लगाया गया है।
- इसका उद्देश्य स्वास्थ्य और पर्यावरण की रक्षा करना है।

प्रश्न: ब्लैक प्लास्टिक से जुड़े पर्यावरणीय और स्वास्थ्य प्रभावों के संदर्भ में निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

1. ब्लैक प्लास्टिक की रिसाइक्लिंग करना कठिन होता है, क्योंकि इसमें रंग और अन्य हानिकारक यौगिक होते हैं।

2. इसमें मौजूद भारी धातुएं और विषैले रसायन मिट्टी और पानी को प्रदूषित कर सकते हैं।

3. भारत में ब्लैक प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध लगाया जा चुका है।

उपरोक्त में से कौन–सा/से कथन सही है/हैं?

(A) केवल **1** और **2**

(B) केवल **2** और **3**

(C) केवल **1** और **3**

(D) 1, 2 और **3**

स्पष्टीकरण:

- कथन **1** सही है ब्लैक प्लास्टिक की रिसाइक्लिंग कठिन होती है, क्योंकि इसमें रंग, भारी धातुएं और विषैले यौगिक होते हैं।
- कथन **2** सही है – इसमें मौजूद भारी धातुएं (सीसा, पारा, कैडमियम) मिट्टी और पानी को प्रदूषित कर सकती हैं।
- कथन **3** गलत है भारत में ब्लैक प्लास्टिक पर पूर्ण प्रतिबंध नहीं है, लेकिन इसके उपयोग को नियंत्रित करने के लिए नियम बनाए गए हैं।